हिन्दुस्तान
1936
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
सोमवार
9 फरवरी 2026 ,फाल्गुन कृष्ण पक्ष , आदर्श विक्रम सम्वत 2082, बरेली

एसआरएमएस ट्रस्ट के महाविद्यालयों के 25वें दीक्षांत समारोह में श्रीराम मूर्ति गोल्ड व अन्य मेडल जीतने वाले मेधावी।

सफलता के लिए उत्साह और प्रतिबद्धता जरूरी

एसआरएमएस का 25वां दीक्षांत समारोह धूमधाम से संपन्न

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। एसआरएमएस इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में स्व. श्रीराम मूर्ति के 116वीं जन्मतिथि पर 25वां दीक्षांत समारोह हुआ। विवि के कुलपति प्रो. जय प्रकाश पांडेय की अध्यक्षता में रविवार को आयोजित दीक्षांत में एनटीए के चेयरमैन प्रो. प्रदीप कुमार जोशी मुख्य अतिथि और स्पेस एप्लीकेशन सेंटर इसरो अहमदाबाद के हेड-एम्पलीफायर डिवीजन की साइंटिस्ट इंजीनियर जी पूजा श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि रहीं।

दीक्षांत में 2024-25 में उत्तीर्ण 305 छात्र-छात्राओं को उपाधियां, प्रशस्ति पत्र व पदक बांटे गए। बीटेक में सर्वाधिक अंक पानेवाले हर्ष सक्सेना व उत्कर्ष को 51,000 का नकद पुरस्कार दिया गया। सीईटी की पूजा काराकोटी, निजारिश उमर, राज कुशवाहा और अमूल्य शर्मा को गोल्ड मेडल संग 21000 नकद पुरस्कार दिया गया। खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करनेपर देवेश और सौरभ को सम्मानित किया गया। आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, प्रो. श्यामल गुप्ता, डॉ. रजनी अग्रवाल, डॉ. एन राय, प्रो. आलोक खरे, प्रो. वंदना शर्मा, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. मृदु लिश्वरी, डॉ. जसप्रीत कौर आदि रहे।

कार्यक्रम में एकेटीयू के कुलपति प्रो . जयप्रकाश पांडेय, एनटीए के चेयरमैन व देवमूर्ति।

बनाएंगे स्किल यूनिवर्सिटी

एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी देवमूर्ति ने विमको फैक्ट्री खरीदने की जानकारी दी। बताया यहां आठ फैकल्टी के साथ स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करने की तैयारी है। साथ ही 150 बेड का हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर, इंडस्ट्रियल पार्क, आईटी पार्क और को-वर्किंग स्पेस भी विकसित किया जाएगा।

सपना देखें और उन्हें पूरा करें

मुख्य अतिथि प्रो . प्रदीप जोशी ने कहा कि आप क्या छोड़ कर जाते है यह सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने एआई और उसके महत्व, चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। कहा कि आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करके भारत 2047 तक आत्मनिर्भर बन सकता है, लेकिन इसके लिए सकारात्मक विचार आवश्यक है।

नाविक सेटेलाइट सिस्टम बताया

इसरो अहमदाबाद की साइंटिस्ट जी पूजा श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन के महत्व को बताया। उन्होंने इसरो द्वारा स्वदेशी तकनीक पर आधारित नाविक सैटेलाइट सिस्टम के बारे में बताया जो कि इस समय देश की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।